पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मन को ऊर्जा और शांति सद्मार्ग पर चलकर मिलती है - राज्यपाल

19 सितम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में श्री शिरडी सांई कृपाधाम, लखनऊ के तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह में डाॅ0 चन्द्रभानु सतपथी को शाल, पुष्प गुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर डाॅ0 सतपथी द्वारा रचित गुरू भागवद ग्रंथ के पांचवे खण्ड के हिन्दी अनुवाद का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर श्री ए0के0 मिश्रा सेवानिवृत्त आई0ए0एस0, श्री अरूण गुप्ता आई0पी0एस0, श्री गोपाल गुप्ता सहित अन्य विद्वतजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिरडी में जो ऊर्जा प्राप्त होती है वह देश तक सीमित नहीं रहती बल्कि विदेशों में भी श्री सांई के वचन और उपदेश पहुंचे हैं। श्री सांई के उपदेश एक परिवार की भावना विकसित करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि मन को ऊर्जा और शांति सद्मार्ग पर चलकर मिलती है।

श्री नाईक ने कहा कि डाॅ0 सतपथी द्वारा लिखित पुस्तक श्री गुरू भागवद ग्रंथ के विमोचन समारोह में आने का लाभ यह हुआ कि डाॅ0 सतपथी के अनुभव के आधार पर लिखी पुस्तक पढ़ने को मिली। ऐसे साहित्य अशांत मन को शांति देते हैं तथा इनसे सद्गुरू की लीला भी मिलती है। श्री सत्य सांई के पास जाये तो अपने विचारों में पवित्रता लाने का प्रयास करें। व्यक्ति को मन की शांति के लिए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करते हुए पीड़ाग्रस्त लोगों की मदद करने की प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक भूमिका में काम करने से तथा सही ढंग से जीविकोपार्जन करने से मन शांत रहता है।

डाॅ0 चन्द्रभानु सतपथी ने कहा कि स्वयं के अंदर की व्यथा को, दूसरे की व्यथा सेे कम करने में प्रयोग करें। सद्गुरू सदैव दूसरों का भला करते हैं।

इस अवसर पर श्री ए0के0 मिश्रा ने डाॅ0 सतपथी का परिचय कराते हुए उनके कृतियों पर प्रकाश डाला।

श्री अरूण कुमार गुप्ता ने पुस्तक गुरू भागवत का परिचय दिया।

डा. चंद्र भानु सत्पथी
का
सम्मान समारोह
मुख्य अतिथि
राम नाईक जी
माननीय श्री राज्यपाल
डा. चंद्र भानु सत्पथी

श्री शिरडी साई कृपाधाम, लखनऊ
के तत्वावधान में
डा. चंद्र भानु सत्पथी
का

श्री शिरडी साई कृपाधाम, लखनऊ
के तत्वावधान में
डा. चंद्र भानु सत्पथी
का
सम्मान समारोह
अतिथि